वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक :- 20 सितंबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

जागरण

विजन तय कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में जुटें महाविद्यालय : वीसी

- राजकीय, अनुदानित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों व प्रबंधकों से संवाद
- शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश शोध, नवाचार और रैंकिंग पर कार्ययोजना के निर्देश

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में आनलाइन हुई। बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्थागत विकास, विद्यार्थियों की सहभागिता और आगामी शैक्षणिक सत्र की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय अपनी क्षमता, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्पष्ट विजन तय करे और उसी के आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करे। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के साथ शोध, नवाचार और रैंकिंग के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने प्राचार्यों से संस्थागत विकास को लेकर सुझाव भी लिए। युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने पर भी सहमति बनी। इसके लिए 'माई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य रखा गया। इससे पूर्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अवधनामा

CMYK

अवधनामा

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालयः कुलपति

अवधनामा संवाददाता

राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित कालेज के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 'माई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

अमृत प्रभात

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालय: कुलपति

राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित कालेज के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ऑनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले ह्यआशीर्वाद का दीयाह्न, ह्यकहानी बदलाव कीह्न, ह्यसेवा रंगह्न और ह्यइनोवेशन चैलेंजह्न जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए ह्यनशामुक्त युवा फॉर विकसित भारतह्न के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।



युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से ह्यविकसित भारत यंग लीडर डायलॉगह्न विवज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 'भाई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र, 200 से अधिक लोगों ने किया अवलोकन

अमृत प्रभात, गोंडा (नि.सं.)। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं,विकास कार्यों एवं उपलब्धियों पर आधारितह्जन सेवा से देश सेवाह्नप्रदर्शनी का आयोजन गोण्डा टाउन हॉल के निकट किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई ह्नप्रदर्शनी के दौरान अब तक 200 से अधिक लोगों ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की प्रदर्शनी में योजनाओं से संबंधित पोस्टर, बैनर, चित्र एवं सूचना सामग्री के माध्यम से आमजन को पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। इस दौरान लोगों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री में विशेष रुचि दिखाई तथा विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजन को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। जिला प्रशासन द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे जन सेवा से देश सेवा प्रदर्शनी में पहुंचकर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त करें तथा पात्र होने पर संबंधित योजनाओं का लाभ उठाएं।

आज

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालय-वाइसचांसलर

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए।बैठक में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए माई भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।



कौटिल्य का भारत

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालयः कुलपति

राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित कालेज के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक



कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 'माई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

NIP

Colleges Should Move Forward in Education with a Clear Vision: Vice-Chancellor

Jaunpur: A meeting of principals and managers of government, aided and self-financed colleges affiliated with Veer Bahadur Singh Purvanchal University was held online on Saturday under the chairmanship of Vice-Chancellor Prof. R.K. Singh.

The meeting focused on strengthening academic excellence, institutional development and ensuring stu-



dents' participation in national-level initiatives.

Vice-Chancellor Prof. Singh emphasised the need to improve academic quality in colleges and said that every institution should set a clear vision based on its unique strengths, available resources and local requirements and work continuously towards achieving it. He also discussed with the principals the future action plans for the academic session 2026-27, including admissions, research, innovation and rankings. He invited suggestions from the principals for further strengthening the academic and institutional development of the colleges.

लोक भारती

जौनपुर/अम्बेडकरनगर

विजन के साथ शिक्षा को दिशा दें कालेज : कुलपति

लोकभारती न्यूज ब्यूरो



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए।बैठक में सेवा संकल्प अभियान को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई।

इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए श्माई भारतश् पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है।

इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

रंतुर्या

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालय: कुलपति

जौनपुर :वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर



देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए।

बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले आशीर्वाद का दीया, कहानी बदलाव की, ह्यसेवा रंग और इनोवेशन चैलेंज जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारतके अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 'माइं भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

समाचार भारत

उद्योग के अनुरूप छात्र तैयार करना प्राथमिकता: प्रो. प्रदीप

सीटीपीसी बैठक में विद्यार्थियों के रोजगार के अवसर की रूपरेखा पर हुई चर्चा

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ
जौनपुर



जौनपुर। युवाओं के सुनहरे भविष्य की रूपरेखा उकेरने और उनके सतरंगी सपनों को खुला आसमान देने के उद्देश्य से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर) के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) की एक अहम बैठक शनिवार को इन्क्यूबेशन सेंटर में हुई। सीटीपीसी निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नई रणनीतियों पर गहरा मंथन किया गया। प्रो. कुमार ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक चुनौतियों के सांचे में ढालना है। छात्र, शिक्षक और उद्योग के बीच एक मजबूत सेतु बनाने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, करियर काउंसलिंग और रोजगार के अवसर हर विद्यार्थी तक सुगमता से पहुंच सकें। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी सत्र में स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और मेगा जॉब फेयर को और भी व्यापक रूप दिया जाएगा। विद्यार्थियों और प्रकोष्ठ के बीच संवाद को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक संकाय में छात्र समन्वयकों की सक्रिय टीम का गठन किया जा रहा है। कॉर्पोरेट जगत की आधुनिक मांग को देखते हुए छात्रों की ओर से 'लाइव इंटरव्यू ऐप्स' के उपयोग का एक शानदार सुझाव भी सामने आया, जिसे कौशल विकास की दिशा में एक बेहद सकारात्मक कदम माना गया।इस महत्वपूर्ण विचार-विमर्श में डॉ. सुनील कुमार, सुशील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश, डॉ. प्रेम चंद यादव, डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंजनेय मिश्रा, डॉ. अश्मय दुबे, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. साक्षी सिंह, डॉ. निधि पांडेय, डॉ. अवधेश और मिथिलेश चौरसिया सहित विभिन्न संकायों के छात्र-समन्वयकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

जौनपुर धारा

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की बैठक में रोजगारपरक प्रशिक्षण पर जोर



जौनपुर धारा, जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने और उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने को लेकर केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) की बैठक हुई। इन्क्यूबेशन सेंटर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सीटीपीसी निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने की। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2026-27 की गतिविधियों और कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, करियर काउंसलिंग और रोजगार के अवसरों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रकोष्ठ और छात्र-शिक्षकों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया। आगामी सत्र में स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और मेगा जॉब फेयर को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। विद्यार्थियों और सीटीपीसी के बीच बेहतर संवाद के लिए प्रत्येक संकाय में छात्र समन्वयकों की टीम सक्रिय करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नौकरी के लिए साक्षात्कार की तैयारी को तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से लाइव इंटरव्यू ऐप्स के इस्तेमाल का सुझाव भी रखा गया। बैठक में डॉ. सुनील कुमार, सुशील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश, डॉ. प्रेम चंद यादव, डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंजनेय मिश्रा, डॉ. अश्मय दुबे, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. साक्षी सिंह, डॉ. निधि पांडेय, डॉ. अवधेश और मिथिलेश चौरसिया समेत विभिन्न संकायों के छात्र समन्वयक मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता और नवाचार बढ़ाने पर जोर

जौनपुर धारा, जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को राजकीय, अनुदानित और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों व प्रबंधकों के साथ बैठक हुई। कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ प्रवेश, शोध, नवाचार और संस्थागत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय को अपनी उपलब्ध सुविधाओं और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के साथ शोध और नवाचार को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में संस्थानों की भागीदारी बढ़ाने पर प्राचार्यों से सुझाव लिए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रस्तावित 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। महाविद्यालयों को इन कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत'



अभियान पर भी चर्चा हुई। इसके तहत अगले 100 सप्ताह तक संस्थानों में नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी से संबंधित गतिविधियां आयोजित करने की बात कही गई। इसके अलावा 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज को व्यापक स्तर पर संचालित करने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों का 'माई भारत' पोर्टल पर पंजीकरण कराने का लक्ष्य रखा गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान की रूपरेखा बताई और गतिविधियों की नियमित रिपोर्टिंग पर जोर दिया। बैठक में कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य और प्रबंधक उपस्थित रहे।

अमर भारती

उद्योग के अनुरूप छात्र तैयार करना प्राथमिकता: प्रो. प्रदीप

♦सीटीपीसी बैठक में विद्यार्थियों के रोजगार के अवसर की रूपरेखा पर हुई चर्चा



अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। युवाओं के सुनहरे भविष्य की रूपरेखा उकेरने और उनके सतरंगी सपनों को खुला आसमान देने के उद्देश्य से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर) के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) की एक अहम बैठक शनिवार को इन्क्यूबेशन सेंटर में हुई। सीटीपीसी निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नई रणनीतियों पर गहरा मंथन किया गया। प्रो. कुमार ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक औद्योगिक चुनौतियों के सांचे में ढालना है। छात्र, शिक्षक और उद्योग के बीच एक मजबूत सेतु बनाने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, करियर काउंसलिंग और रोजगार के अवसर हर विद्यार्थी तक सुगमता से पहुंच सकें।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी सत्र में स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और मेगा जॉब फेयर को और भी व्यापक रूप दिया जाएगा। विद्यार्थियों और प्रकोष्ठ के बीच संवाद को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक संकाय में छात्र समन्वयकों की सक्रिय टीम का गठन किया जा रहा है। कॉर्पोरेट जगत की आधुनिक मांग को देखते हुए छात्रों की ओर से %लाइव इंटरव्यू ऐप्स% के उपयोग का एक शानदार सुझाव भी सामने आया, जिसे कौशल विकास की दिशा में एक बेहद सकारात्मक कदम माना गया।

इस महत्वपूर्ण विचार-विमर्श में डॉ. सुनील कुमार, सुशील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश, डॉ. प्रेम चंद यादव, डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंजनेय मिश्रा, डॉ. अश्मय दुबे, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. साक्षी सिंह, डॉ. निधि पांडेय, डॉ. अवधेश और मिथिलेश चौरसिया सहित विभिन्न संकायों के छात्र-समन्वयकों ने अपने विचार व्यक्त किए।

अमृत प्रभात

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालय: कुलपति

राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित कालेज के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ऑनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले ह्यआशीर्वाद का दीयाह्न, ह्यकहानी बदलाव कीह्न, ह्यसेवा रंगह्न और ह्याइनोवेशन चैलेंजह्न जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए ह्यनशामुक्त युवा फॉर विकसित भारतह्न के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया।



युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से ह्यविकसित भारत यंग लीडर डायलॉगह्न विवज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 'माई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र, 200 से अधिक लोगों ने किया अवलोकन

अमृत प्रभात, गोंडा (नि.सं.)। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं,विकास कार्यों एवं उपलब्धियों पर आधारितह्यजन सेवा से देश सेवाह्नप्रदर्शनी का आयोजन गोण्डा टाउन हॉल के निकट किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई ह्यप्रदर्शनी के दौरान अब तक 200 से अधिक लोगों ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की प्रदर्शनी में योजनाओं से संबंधित पोस्टर, बैनर, चित्र एवं सूचना सामग्री के माध्यम से आमजन को पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। इस दौरान लोगों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री में विशेष रुचि दिखाई तथा विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजन को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। जिला प्रशासन द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे जन सेवा से देश सेवा प्रदर्शनी में पहुंचकर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त करें तथा पात्र होने पर संबंधित योजनाओं का लाभ उठाएं।

अमर उजाला

पुर युवा Youth

पूविवि उद्योगों की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को करेगा प्रशिक्षित

सीटीपीसी ने विद्यार्थियों को रोजगार मुहैया कराने के लिए बनाई रूपरेखा

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय अपने छात्रों को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय का केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल (सीटीपीसी) इसके लिए रूपरेखा तैयार कर रहा है।

केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है।

छात्र, शिक्षक और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, कॅरिअर काउंसिलिंग और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्किल डेवलपमेंट वर्कशॉप, इंडस्ट्री इंटरैक्शन और मेगा जॉब फेयर का बड़े स्तर पर आयोजन करने की रूपरेखा तैयार किया जा रहा है। विद्यार्थियों और सीटीपीसी के बीच संवाद को मजबूत करने के लिए प्रत्येक संकाय में छात्र समन्वयकों की सक्रिय टीम गठित की जाएगी।



महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक को संबोधित करते कुलपति। स्रोत:पूविवि

पूविवि से संबद्ध महाविद्यालयों को तय करना होगा अपना विजन : कुलपति

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. आरके सिंह की अध्यक्षता में हुई। कुलपति ने कहा कि महाविद्यालयों को अपना विजन तय करना होगा। बैठक में कुलपति ने कहा कि प्रत्येक महाविद्यालय अपनी क्षमता, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप स्पष्ट विजन तय कर शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़े। शैक्षणिक गुणवत्ता मजबूत करने के साथ प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाले आशीर्वाद का दीया, कहानी बदलाव की, सेवा रंग और इनोवेशन चैलेंज कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। संवाद

विद्यार्थियों को प्रशिक्षण इंटर्नशिप, कॅरिअर काउंसिलिंग से बनाएंगे निपुण

विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए लाइव इंटरव्यू एप के उपयोग का सुझाव भी दिया गया।

इससे विद्यार्थियों को कंपनियों की भर्ती प्रक्रिया और साक्षात्कार की तैयारी का व्यावहारिक अनुभव देने पर चर्चा हुई। शनिवार को इन्क्यूबेशन सेंटर में बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

परिचर्चा में डॉ. सुनील कुमार, सुशील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश, डॉ. प्रेम चंद यादव, डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंजनेय मिश्रा, डॉ. अश्मय दुबे, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. साक्षी सिंह, डॉ. निधि पांडेय, डॉ. अवधेश और मिथिलेश चौरसिया मौजूद रहे।

जौनपुर जागरण



छुट्टियों में घर से मिलेगी ई-लाइब्रेरी की सुविधा

ई-बुक, ई-जर्नल और शोध सामग्री का बढ़ेगा दायरा, मिलेगा डिजिटल संसाधनों का लाभ

- अवकाश में लाइब्रेरी बंद होने पर भी अधिकृत एक्सेस से पढ़ सकेंगे विद्यार्थी
- ई-संसाधनों की समीक्षा व इसे छात्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया पर होगा काम

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अब लाइब्रेरी की सुविधा छुट्टियों और निर्धारित समय की सीमा से आगे ले जाने की तैयारी है। ई-बुक, ई-जर्नल, शोधपत्र और अकादमिक डेटाबेस जैसे डिजिटल संसाधनों का दायरा बढ़ाया जाएगा, ताकि विद्यार्थी और शोधार्थी विश्वविद्यालय या लाइब्रेरी में मौजूद न होने पर भी अधिकृत एक्सेस के जरिए जरूरी सामग्री पढ़ सकें।

इसके लिए उपलब्ध ई-संसाधनों की समीक्षा और उन्हें विद्यार्थियों तक पहुंचाने की प्रक्रिया पर काम शुरू किया जा रहा है। साप्ताहिक अवकाश, त्योहारों या लंबे अवकाश में लाइब्रेरी बंद रहने के दौरान भी विद्यार्थी घर से उपलब्ध डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। परीक्षा की तैयारी में किसी विषय की संदर्भ सामग्री की जरूरत हो या शोधार्थी को किसी शोधपत्र अथवा जर्नल की आवश्यकता पड़े, उसे लाइब्रेरी खुलने का इंतजार नहीं करना होगा।

> पुस्तकालय अब केवल मुद्रित पुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। जरूरत के अनुसार प्रमाणिक डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराना जरूरी है। इससे अवकाश के दौरान भी विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और शोध का काम जारी रख सकेंगे। - प्रो. राकेश कुमार सिंह, कुलपति, पूर्विवि।



डिजिटल संसाधनों में पाठ्यक्रम से संबंधित ई-बुक के साथ शोध पत्रिकाएं, शोधपत्र, संदर्भ सामग्री और अकादमिक डेटाबेस शामिल किए जाएंगे। ई-संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के साथ विद्यार्थियों को इनके इस्तेमाल की जानकारी देने पर भी जोर रहेगा। उन्हें उपलब्ध डिजिटल संसाधनों, अधिकृत एक्सेस की प्रक्रिया और अध्ययन व शोध में उनके उपयोग के बारे में बताया जाएगा।

पूर्व में विश्वविद्यालय पुस्तकालय का संचालन समय बढ़ाकर शाम आठ बजे तक किया गया था। डिजिटल संसाधनों का दायरा बढ़ने से पुस्तकालय की सुविधा को समय और स्थान की सीमा से आगे ले जाने की दिशा में काम होगा।

पब्लिक की लहर

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालयः कुलपति

राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित कालेज के प्राचार्यों और प्रबंधकों की बैठक

जौनपुर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं



पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए।

बैठक में श्सेवा संकल्प अभियानश को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चौलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए श्माई भारतश पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

पायनियर

Follow us on:
www.thehindipioneer.com
@thehindipioneer
thehindipioneer
thehindipioneer

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

● अमेरिकी नागरिकों को डराकर ठगी के नेटवर्क पर पुलिस का छापा पेज-4
● युवा भारत में क्वालकॉम-इंटेल जैसी कंपनियां खड़ी करेंगे: वैष्णव पेज-14
● रंगारंग लेकिन सादगी भरे समारोह के साथ एशियाई खेलों का आगाज पेज-15

RNI N0. UPHIN/2010/36547 वर्ष-16 अंक-328 लखनऊ, रविवार, 20 सितंबर 2026 पृष्ठ-16, मूल्य 6 रुपये डाक, नगर संस्करण

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालयः कुलपति

पायनियर संवाददाता। जौनपुर



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा रंग' और 'इनोवेशन चैलेंज' जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आज का परिणाम

आज का परिणाम
20 सितम्बर, 2026

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें कालेज:कुलपति

ब्यूरो आज का परिणाम/



विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। का दीया', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए श्माई भारतश् पोर्टल पर अधिक से अधिक छात्रों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं अभियान के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और नियमित रिपोर्टिंग का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह और एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित रहे।

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के प्रवेश, कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किए।बैठक में सेवा संकल्प अभियान इसके तहत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद रंग' और 'इनोवेशन चौलेंज' जैसे कार्यक्रमों सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।